



औद्योगिक बारीकियों को जानने के लिए **अग्रवाल कॉलेज** बलुभगढ़ के छात्रों ने बनास डेयरी, आईएमटी फरीदाबाद का किया दौरा

नेशनल प्रबर्गी / रामेश सिंह
पर्यावरणादा। 10 मार्च को, प्रधानमंत्री और रामेश नियम लिपण, असलत नेशनल कॉम्पानी इन कंपनी का बाबा बोले, अप्रैल, पर्यावरण, पर्यावरण के लिए एक जीवनशैली है जो का अद्वितीय विकास लिया गया नियम संभाल और एसएसए प्रकार और अंतिम तक 50 लाखों से भी ज्यादा लिया जाये लियाजाए से पर्यावरणीय कार्य, (एडवेंचर, रेस्टोरंट सम्पर्क), ड्रग, योगी विकास और लियाजाए का नियमनियन्त्रण के सभी जीवनशैली दो पांच।
नेशनल लेपेनेम एंड ट्रान्स नुग्गर ग्रुप, लक्ष्मणपुर के एक लेपेनेम दिल्ली ग्रुप एवं नेशनल कॉम्पानी के संस्थान नुग्गर ग्रुप के नेशनल प्रबर्गी में लेपेनेम योगी विकासीय अधिकारीजन काम करते रहते हैं।

खल बहसमें जो सवाल गए, प्राप्ति (किंवा १) के प्राप्ति नेतृत्व में आर्थिक नियम गया। दूसरी तरफ वैदिक विद्या के प्रत्यक्ष विवाह के दो वर्ष के बीच विवाह के समय समाप्ति के समय प्रस्तुती गई। इन समय १०:०० बजे महाराष्ट्र एवं मुंबई में तभी ही के लिए लड़का तुरंत और लड़की तुरंत १०:३० बजे बाबू के परिसर में पहुंच जाती है। दोनों



सम्बन्धित
(लिंगायत
ह्रास फा. रम
बोर मे संकी
वानस्पति
प्रेतद्वारा

और जामी के प्रबोधक निपाण) विस्म लहल ने प्रेस्त लक्ष्य स्थापित किया और नमी के दृष्टि पारिकर रखा। बनस डेंग, विस्मुक्त वेडोपेशिन मिलक विस्म विस्टेन ती स्थापित

उम्मी, उसी ब्रह्म में अपने महान्‌पूर्ण वैदेशिक के हित प्रियंका है, जो भाल भर में उपरोक्तान्वयों को विविध प्रवास के द्वारा और दृष्टि-उत्कृष्टता के साथ सार्वजनिक करने के लिए आवश्यक है। इसके लिए उसकी विविधता और गणना उपरोक्त

के विप्रिय चरणों का असलोकेन नवतया।
विशेषज्ञ
ने देखा तबदीली तक जानी और गुरुकृत वो
बहुत रघुनं के लिय पादवलक्षणम्,
लोकेन्द्रियेन और वेस्त दर्शन म
उपरोक्त वै वस्ति तदी तथा तदानुकूली

मासूल। एक इंग्रेजिन यह भी आवेदित करता है कि वह यह या जिसमें लड़ी के लिए उत्तम, स्वच्छता और बनाए रखनी चाहीए के बोर में मसाल पूर्णे का असार मिलता है।

अंग्रेजोंने तेंदुएङ्गो में नवाजा और प्रियत वह एक सूरज पर जो दिख जे पहिला के अनुसूत प्राणी और कुमार सम्बन्ध इनके लिए बहुत तेंदुएङ्गो प्रियतदाता वह उत्तरा नहीं है। यह जल्द से प्राम अंग्रेज़ से अंग्रेजी भ्रष्टाचार और जल्द के विरुद्ध निपास के लिए तेंदुएङ्गो के महल के बाहे में उत्कृष्ट सम्प्रदाय है। जबकि के अंत में सभी जल्द और

लक्षणों को जरूरत दिया गया।
बास भेंगे वह एवं शीर्षक गढ़ पकड़ने के लिए अनुभव वह, जो लोकों के साथ
संदर्भिक कम और नामहस्ति अनुभवित
के बीच एक संघर्ष का बहिर्भूत है। सभी
उठ के बाहर उच्च के संघर्षों के बावजूद,
और उच्चों में परिवार के बीच वह के अन्तर्गत
के लिए, उन्हें कौशल करने में महसूस
पूर्णम निपुण हो जाते हैं। उनके काफी 01-
वर्ष बीचे बैठके हैं ताकि उनमें प्रतीक्षा

GOVT OF INDIA RNI NO. 6859/61

Contact E-P



[Home](#) [NATIONAL](#) [DELHI/NCR](#) [FARIDABAD](#) [HARYANA](#) [CHANDIGARH](#) [PUNJAB](#) [UTTAR PRADESH](#) [RAJASTHAN](#)

Breaking News:

→ हत्या के प्रयास के मामले में अपराध शास्त्र सेन्टर की टी

FARIDABAD

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने बनास डेयरी, आईएमटी फरीदाबाद का
औद्योगिक दौरा आयोजित किया : एक मूल्यवान शिक्षण अनुभव
(Mukhi Deepak Kathuria) www.bharatdarshannews.com



Bharat Darshan Ballabgarh News, 10 March 2025 : 10 मार्च 2025 को, प्रबंधन और कॉलेज बल्लबगढ़ द्वारा बनास डेयरी, आईएमटी, फरीदाबाद के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया जिसमें एमबीए और एमसीए प्राप्ति और अतिम तर्फ के 50 छात्रों ने भाग लिया। दोनों विभागों से सुश्री मोहिनी ठार्मि, (एचओडी, कॉम्प्यूटर साईंस), सुश्री ईशा, सुश्री प्रीति दीक्षित और सुश्री शित्पा जुनेजा इन विद्यार्थियों के साथ औद्योगिक दौरे पर गए। कॉलेज चेयरमैन श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता, महाविष्व एडवोकेट श्री दिनेश गुप्ता एवं कार्यालयक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में कॉलेज ऐसी गतिविधियों आयोजित करता रहता है। यह कार्यक्रम डॉ. सचिन गर्ग, प्रभारी (विंग 1) के प्रभावी नेतृत्व में आयोजित किया गया। डॉ. शित्पा गोप्यल, विभागाध्यक्षा प्रबंधन विभाग ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत की। छात्र सुबह 10:00 बजे महाविद्यालय से कंपनी के लिए रवाना हुए। टीम सुबह 10:30 बजे कंपनी के परिसर में पहुंची जहाँ दोनों के समन्वयक और कंपनी के प्रबंधक (विष्णुन दलाल ने प्रवेश द्वार पर उनका स्वागत किया और कंपनी के बारे में सांकेतिक परिचय दिया। बनास डेयरी, बानसकांपा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूर्स संघियन लिमिटेड की सहायक कंपनी, डेयरी क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रसिद्ध है, जो भारत भर में उपायोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के दूध और दूध-आधारित उत्पादों को उपलब्ध कराती है। भूमण के दौरान छात्रों को, उन्होंने दूध प्रसंस्करण, पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न चरणों का अवलोकन करवाया। विशेषज्ञों ने डेयरी उत्पादों की ताजगी और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पाक्षराइजेशन, होमोजेनाइजेशन और कोल्ड स्टोरेज में उपयोग की जाने वाली उन्नत तकनीक को समझाया। एक इंटरेक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया था जिसमें छात्रों को डेयरी उत्पादन, स्वचालन और बाजार रणनीतियों के बारे में सवाल पूछने का अवसर मिला था। अधिकारियों ने डेयरी उद्योग में नवाचार और स्थिरता की भूमिका पर जोर दिया, जो पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं और कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए बनास डेयरी की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। इस यात्रा से प्राप्त अंतर्दृष्टि से औद्योगिक प्रक्रियाओं और भारत के आर्थिक विकास में डेयरी उद्योग के महत्व के बारे में उनकी समझ समृद्ध हुई। यात्रा के अंत में सभी छात्रों और शिक्षकों को जलपान दिया गया।

बनास डेयरी की औद्योगिक यात्रा एक ज्ञानवर्षक अनुभव थी, जो छात्रों के लिए सेढ़ातिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की स्थाई को कम करती है। इस तरह की यात्राएं छात्रों के सीखने को बढ़ाने और उद्योग में भविष्य के कैरियर के अवसरों के लिए उन्हें तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छात्र और कर्मचारी 01:00 बजे कॉलेज में वापस पहुंचे।



दिल्ली एनसीआर

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने बनास डेयरी, आईएमटी फरीदाबाद का औद्योगिक दौरा आयोजित किया : एक मूल्यवान शिक्षण अनुभव



बल्लभगढ़ (विनोद वैष्णव) : प्रबंधन और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, **अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़** द्वारा बनास डेयरी, आईएमटी, फरीदाबाद के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया जिसमें एमबीए और एमसीए प्रथम और अंतिम वर्ष के 50 छात्रों ने भाग लिया। दोनों विभागों से मोहिनी वर्मा, (एचओडी, कॉम्प्यूटर साइंस), ईशा, प्रीति दीक्षित और शिल्पा जुनेजा इन विद्यार्थियों के साथ औद्योगिक दौरे पर गए। कॉलेज चेयरमैन देवेन्द्र कुमार गुप्ता, महासचिव एडवोकेट दिनेश गुप्ता एवं कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में कॉलेज ऐसी गतिविधियां आयोजित करता रहता है। यह कार्यक्रम डॉ. सचिन गर्ग, प्रभारी (विंग 1) के प्रभावी नेतृत्व में आयोजित किया गया।

डॉ. शिल्पा गोयल, विभागाध्यक्षा प्रबंधन विभाग ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत की। छात्र सुबह 10:00 बजे महाविद्यालय से कंपनी के लिए रवाना हुए। टीम सुबह 10:30 बजे कंपनी के परिसर में पहुंची जहाँ दौरे के समन्वयक और कंपनी के प्रबंधक (विपणन विभाग) विपिन दलाल ने प्रवेश द्वार पर उनका स्वागत किया और कंपनी के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। बनास डेयरी, बानस्कांथा डिस्ट्रिक्ट को ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड की सहायक कंपनी, डेयरी क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रसिद्ध है, जो भारत भर में उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के दूध और दूध-आधारित उत्पादों को उपलब्ध कराती है। भ्रमण के दौरान छात्रों को, उन्होंने दूध प्रसंस्करण, पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न चरणों का अवलोकन करवाया।



विशेषज्ञों ने डेयरी उत्पादों की ताजगी और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पाक्षराइजेशन, होमोजेनाइजेशन और कोल्ड स्टोरेज में उपयोग की जाने वाली उन्नत तकनीक को समझाया। एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया था जिसमें छात्रों को डेयरी उत्पादन, स्वचालन और बाजार रणनीतियों के बारे में सवाल पूछने का अवसर मिला था। अधिकारियों ने डेयरी उद्योग में नवाचार और स्थिरता की भूमिका पर जोर दिया, जो पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं और कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए बनास डेयरी की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

जनतंत्र टुडे

INDUSTRY - उद्योग और कालोबार ई-रिपोर्ट्स-आरा POLITICS - सामनीयी NEWS-सेल देश-विदेश ENTERTAINMENT-सूटरेनेमेट CRIME-विधायी POSITIVE NEWS- सकारात्मक चबर



Home : हॉस्टीट्यून इनोवेशन काउंसिल, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने बनास डेयरी, आईएमटी फरीदाबाद का औद्योगिकदौरा किया

Unpublished

हॉस्टीट्यून इनोवेशन काउंसिल, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने बनास डेयरी, आईएमटी फरीदाबाद का औद्योगिकदौरा किया

© Jantantrade.com | March 10, 2025



module:1facing:0; ?hw-remosaic: 0; ?touch: {-1.0, -1.0}; ?modelInfo: ; ?sceneMode: Night; ?cct_value: 0; ?AI_Scene: {200, -1}; ?aec_lux: 0.0; ?hist255: 0.0; ?hist252~255: 0.0; ?hist0~15: 0.0; ?module:1facing:0; hw-remosaic: 0; touch: {-1.0, -1.0}; modelInfo: ; sceneMode: Night; cct_value: 0; AI_Scene: {200, -1}; aec_lux: 0.0; hist255: 0.0; hist252~255: 0.0; hist0~15: 0.0;

फरीदाबाद , जन्मत्र दुडे / अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़ द्वारा बनास डेयरी, आईएमटी,
फरीदाबाद के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया जिसमें एमबीए और एमसीए प्रथम और अंतिम वर्ष के 50 छात्रों ने भाग लिया। दोनों विभागों से सुश्री मोहिनी वर्मा, (एचओडी, कॉम्प्युटर साइंस), सुश्री ईशा, सुश्री प्रीति दीक्षित और सुश्री शित्पा जुनेजा इन विद्यार्थियों के साथ औद्योगिक दौरे पर गए।

कॉलेज डेयरी में एडवोकेट विनेश गुप्ता एवं कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में कॉलेज ऐसी गतिविधियाँ आयोजित करता है। यह कार्यक्रम डॉ. सचिन गर्ग, प्रभारी (विंग 1) के प्रभावी नेतृत्व में आयोजित किया गया। डॉ. शित्पा गोयल, विभागाधिका प्रबंधन विभाग ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत की।

छात्र सुबह 10:00 बजे महाविद्यालय से कंपनी के लिए रवाना हुए। टीम सुबह 10:30 बजे कंपनी के परिसर में पहुंची जहाँ दौरे के समन्वयक और कंपनी के प्रबंधक (विभाग विभाग) श्री विपिन दलाल ने प्रवेश द्वार पर उनका स्वागत किया और कंपनी के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। बनास डेयरी, बानस्काठा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोजॉक्सर्स यूनियन लिमिटेड की सहायक कंपनी, डेयरी क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रसिद्ध है, जो भारत भर में उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के दूध और दूध-आधारित उत्पादों को उपलब्ध कराती है। भ्रमण के दौरान छात्रों को, उन्होंने दूध प्रसंस्करण, पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न चरणों का अवलोकन करवाया।

विशेषज्ञों
ने डेयरी उत्पादों की ताजगी और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पाक्षराइजेशन, होमोजेनाइजेशन और कोल्ड स्टोरेज में उपयोग की जाने वाली उत्तर तकनीकों को समझाया। एक इंटरेक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया था जिसमें छात्रों को डेयरी उत्पादन, स्वचालन और बाजार रणनीतियों के बारे में सवाल पूछने का अवसर मिला था। अधिकारियों ने डेयरी उद्योग में नवाचार और स्थिरता की भूमिका पर जोर दिया, जो पर्यावरण के अनुकूल प्रभाओं और कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए बनास डेयरी की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। इस यात्रा से प्राप्त अंतर्दृष्टि से औद्योगिक प्रक्रियाओं और भारत के आर्थिक विकास में डेयरी उद्योग के महत्व के बारे में उनकी समझ समृद्ध हुई। यात्रा के अंत में सभी छात्रों और शिक्षकों को जलपान दिया गया।

बनास डेयरी की औद्योगिक यात्रा एक ज्ञानवर्धक अनुभव थी, जो छात्रों के लिए सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को कम करती है। इस तरह की यात्राएं छात्रों के सीखने को बढ़ाने और उद्योग में भविष्य के कैरियर के अवसरों के लिए उन्हें तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।